DPL-03

June - Examination 2016

Diploma in Prakrit Language Examination

प्राकृत व्याकरण एवं रचना

Paper - DPL-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों 'अ', 'ब' और खण्ड 'स' में विभाजित है । खण्ड अ के सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है तथा सभी उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द होगी। इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) (i) प्राकृत प्रकाश कौनसी शताब्दी का ग्रन्थ है?

(ii) 'सिद्धहेमशब्दानुशासन' के रचयिता का नाम बताइए।

(iii) 'जानना' अर्थ के लिए प्राकृत में कौन–कौनसी क्रियाओं का प्रयोग होता है?

(iv) 'चौबीस' को प्राकृत में लिखिए।

(v) क्रमवाचक संख्या शब्द किसे कहते हैं?

(vi) 'कहा' शब्द की द्वितीया विभक्ति एकवचन का रुप लिखिए।

(vii) सूत्र विश्लेषण का दूसरा सोपान बताइए।

(viii) 'नातआत्' सूत्र का सन्धि–विच्छेद कीजिए।

(ix) कारक कितने प्रकार के होते हैं? नामोल्लेख कीजिए।

(x) धम्म + उवएसों में सन्धि कीजिए।

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित में से कोई चार प्रश्न कीजिए। हर प्रश्न 10 (दस) अंक का है। उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द है।

2) समान स्वर–सन्धि को समझाइए।

3) 'बहुषु न्तु ह मो' सूत्र को पाँच सोपानों के माध्यम से समझाइए।

4) चंडकृत प्राकृत लक्षण का परिचय दीजिए।

5) विधि कृदन्त की प्रयोग पद्धति को समझाइए।

6) प्राकृत–व्याकरण का परिचय दीजिए।

7) 'अतः सेर्डो' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

8) मुख्य स्त्री प्रत्यय कौन से है? उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

9) गणनावाचक संख्या शब्दों के प्रयोग उदाहरण सहित समझाइए।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नांकित में से दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंक का है। उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द है।

10) वर्तमान कृदन्त को उदाहरण सहित समझाइए।

11) कारक का सामान्य परिचय देते हुए सम्प्रदान व अपादान कारक के प्रयोग को समझाइए।

12) कर्मधारय एवं दिगु समास की व्याख्या कीजिए।

13) स्त्रीलिंग शब्द कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

———